

बिहार के 15 विश्वविद्यालयों के पुस्तकालय ऑनलाइन होंगे लकि

चर्चा में क्यों?

11 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार बिहार के सभी 15 पारंपरिक विश्वविद्यालयों के सभी पुस्तकालयों को ऑनलाइन जोड़ने के लिये शिक्षा विभाग, यूजीसी - इन्फ्लिबिनेट के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- इस एमओयू में शिक्षा विभाग के अलावा सभी 15 विश्वविद्यालयों के कुलपति/कुलसचिव और यूजीसी-इन्फ्लिबिनेट के नदिशक शिक्षा मंत्री की मौजूदगी में एक समारोह में एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे।
- आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस एमओयू के जरिये प्रत्येक विश्वविद्यालय को ऑनलाइन पता होगा कि कौन-सी किताब किस विश्वविद्यालय में है। अगर वह किताब डिजिटल फॉर्म में नहीं है, तो उस किताब को हासिल करने के लिये खुद विश्वविद्यालय दूसरे विश्वविद्यालय से लेकर किताब उपलब्ध कराएगा। इस पर लगने वाला आर्थिक भार खुद विश्वविद्यालय वहन करेगा।
- इस नई व्यवस्था के तहत किताबों का कैटलॉग बनेगा। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को इस सुविधा के लिये अपनी जेब से कोई पैसा नहीं देना होगा। इस तरह प्रदेश के विश्वविद्यालयों के रिसर्च स्कॉलर और शिक्षकों को इंटर लाइब्रेरी लोन की सौगात जल्दी ही मिलेगी।
- यह समूची कवायद यूजीसी गाइडलाइन पर की जाएगी। इसके लिये विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों का स्वचालन सिस्टम बनाया जाएगा, जिसमें किताबों के बारकोड आदि भी दिये जाएंगे। इसके अलावा शोध गंगा, शोध चक्र, इ-शोध सधि और शोध शुद्धि सिस्टम प्रभावी किये जाएंगे।